अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2020) दिनांक : 17-12-2020

समय सीमा : 3 घंटा षष्ठम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

गतागत–40

प्र. 1 (गति-आगति) किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दें–(कितनी व कहां-कहां से) 24

(क) सम्यक मिथ्या दृष्टि।

(ख) अचरम।

(ग) दूसरे तीसरे किल्विषिक तथा तीसरे से आठवें देवलोक में।

(घ) पृथ्वी, पानी एवं वनस्पति में।

(ङ) अवधि दर्शन।

(च) मूल वैक्रिय शरीर।

(छ) छप्पन अन्तर्द्वीप।

(ज) असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय।

(झ) केवलज्ञानी।

(ञ) नील लेश्या वाले नील लेश्या में जाए तो।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) तेजो लेश्या वाले तेजो लेश्या में जाए तो–आगति गति।

(ख) चौथी नरक एवं ज्योतिष्क एवं प्रथम देवलोक में–आगति व गति।

(ग) जम्बु द्वीप व अर्द्ध पुष्कर द्वीप में–जीव के कितने व कौन से भेद पाते हैं?

(घ) तिर्यंच व मनुष्य में जीव के कितने व कौन से भेद पाते हैं?

(ङ) चक्रवर्ती व बलदेव में–आगति व गति।

(च) कृष्ण पक्षी व शुक्ल पक्षी में आगति व गति।

काय स्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें (जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति, जघन्य उत्कृष्ट अंतर)– 30

(क) उपशम कषायी।

(ख) मनयोगी, वचन योगी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताएं कि उनकी उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार घटित होती है?

(ग) अवधि ज्ञानी की जघन्य व उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बतायें कि जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से कही गई है?

(घ) चक्षुदर्शनी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार घटित हो सकती है?

(ङ) विभंगज्ञानी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(च) सूक्ष्म काल पुदगल परावर्तन किसे कहते हैं?

(छ) कृष्ण लेश्यी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(ज) छद्मस्थ अनाहारक।

(झ) उपशम सम्यक्त्वी।

(ञ) नपुंसक वेदी।

(ट) बादर, पृथ्वी, अप, तेजस्, वायु, प्रत्येक शरीरी वनस्पति।

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 10

(क) काय परीत की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(ख) अयोगी केवली अनाहारक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बतायें कि जघन्य काय स्थिति किस अपेक्षा से है?

(ग) मनःपर्यवज्ञानी की जघन्य काय स्थिति के पीछे क्या कारण है बताऐं?

(घ) शुक्ल लेश्यी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किसकी अपेक्षा से है?

(ङ) सम्यक दृष्टि की जघन्य एवं उत्कृष्ट काय स्थिति किस अपेक्षा से घटित होती है? बतायें।

(च) साकारोपयोग की जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(छ) तिर्यंच की एक भव की उत्कृष्ट स्थिति कितनी होती है?

(ज) त्रीन्द्रिय पर्याप्त की कायस्थिति जघन्य व उत्कृष्ट कितनी होती है?

(झ) पर्याप्त देव की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति बतायें?

(ञ) पुदगल परावर्तन के प्रकार व प्र प्रकार कितने व कैसे हो सकते हैं?

(ट) संयोगी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बतायें कि यह किस प्रकार घटित होती है?

(ठ) प्रत्येक शरीरी जीव का दूसरा नाम लिखें।

गीतिका (पांच वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक दो पंक्तियों में लिखें– 4

(क) छठा गुणस्थान किन कारणों से बदल जाता है?

(ख) इक्कीसवीं गीतिका की रचना कहां हुई, उस समय कितने साधु-साध्वियां वहां उपस्थित थे व गीतिका की रचना काल लिखें।

(ग) वेदनीय कर्म के कितने भेद हैं? नाम लिखते हुए बतायें कि उनकी कितनी स्थिति है?

(घ) आठों कर्मों का क्षय निष्पन्न भाव कहां पाया जाता है?

(ङ) व्रत-अव्रत के पृथक्ककरण का रहस्य कहां उपलब्ध है?

(च) असंयती श्रावक को शुद्ध द्रव्य का भोजन से क्या होता है? इसका वर्णन कहां पर आता है?

प्र. 6 किन्हीं चार पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 16

(क) ग्रह करड़ा.....भणी ए।

(ख) हिवे सुणजो.....जो ए।

(ग) मोह कर्म.....समाधो रे।

(घ) पडिसेवी मूल.....नहिं होय।

(ङ) वनखंड.....सुध होय।

(च) सांगधारी.....थाई रे।